21. १००८ श्री नमिनाथ जी

यक्ष
गोमेध

चिन्ह
लालकमल

वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणी
बहुरूपणी

अर्घ

जल फलादि मिलाय मनोहरं, अरघ धारत ही भव भौ हरं।।
जजतु हौं नमि के गुण गायकें, जुग पदाम्बुज प्रीति लगायकें।।

ॐ ह्रीं श्री नमिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

अश्विन कृष्णा-२

गर्भकल्याणक

आषाढ़ कृष्णा-१०

जन्मकल्याणक

आषाढ़ कृष्णा-१०

तपकल्याणक

मार्गशीष शुक्ला-११

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री विजयराज
माता: वप्रा देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

वैशाख कृष्णा-१४

मोक्षकल्याणक